दिनांक 10-12-2016 को आयोजित गो-कैशलेस योजना पर आधारित कार्यशाला/प्रशिक्षण

जनपद - सिद्धार्थनगर

--

नोटबंदी के बाद से लोगों को हो रही दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए नीति आयोग, भारत सरकार तथा इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आम जन मानस को कैशलेस ट्रांजेक्शन के प्रचार प्रसार तथा कॉमन सर्विस सेंटर संचालकों को कैशलेस ट्रांजेक्शन के प्रशिक्षण दिए जाने के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी महोदय, सिद्धार्थनगर की अध्यक्षता में **गो-कैशलेस योजना पर आधारित कार्यशाला/प्रशिक्षण** का आयोजन किया गया | कैशलेस ट्रांजेक्शन के विभिन्न साधनों जैसे एटीएम/ डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, रुपे कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड के साथ साथ मोबाइल एप्स जैसे पेटीएम, स्टेट बैंक का एस.बी.आई. बडी तथा इसी प्रकार से अन्य बैंकों के ई-वालेट के माध्यमो से सुरक्षित ट्रांजेक्शन किये जाने के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गयी | ए.ई.पी.एस. (आधार इनेबिल्ड पेयमेंट सिस्टम) के जरिये भी सुरक्षित कैशलेस ट्रांजेक्शन आसानी से किये जाने के सम्बन्ध में भी विस्तार से चर्चा की गयी | फिंगरप्रिंट व आईरिस स्कैन के माध्यम से ए.ई.पी.एस. का ट्रांजेक्शन किये जाने पर इसमे किसी भी तरह की धोखाधड़ी की संभावना भी नहीं है | भारत सरकार द्वारा आधिक से आधिक डिजिटल कैशलेस लेन-देन किये जाने का प्रोत्साहन दिया जा रहा है जिस के लिये एटीएम/डेबिट कार्ड, ई वालेट, आधार कार्ड व माइक्रो एटीएम से कैशलेस लेन-देन किया जा जाना संभव है |

गो-कैशलेस योजना कालाधन तथा भ्रष्टाचार को समाप्त करने का एक अच्छा साधन है | डिजिटल इंडिया कार्यक्रम अंतर्गत राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, सिद्धार्थनगर तथा CSC-SPV टीम गोरखपुर के सहयोग से CSC-SPV, भारत सरकार के विलेज लेवल इंटरप्रेन्युर (वी.एल.ई.) को गो-कैशलेस योजना पर आधारित विधिवत प्रशिक्षण दिया गया | गो कैशलेस स्कीम के प्रशिक्षण एव कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI), यूएसएसडी, आधार इनेबल्ड पेयमेंटस, वॉलेट एवं रुपे, डेबिट, क्रेडिट, प्रीपेड कार्ड आदि के सम्बंध में वी.एल.ई. को प्रशिक्षित कर ग्रामीण क्षेत्रों में इस का उपयोग किये जाने हेतु प्रेरित किया गया |

Report compiled by : DIO, Siddharthnagar

Assisted by : NICNET / SWAN and CSC-SPV Team, Siddharthnagar

कैशलेस भुगतान को मिला प्रशिक्षण

सिद्धार्थनगर | निज संवाददाता

नोटबंदी के बाद खड़ी हुई समस्या को देखते हुए नीति आयोग के निर्देश पर कैसलेश भुगतान की व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को कॉमन सर्विस सेन्टर के संचालकों को प्रशिक्षित किया गया। विकास भवन सभागार में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के दौरान एटीएम सहित अन्य माध्यमों से सुरक्षित भुगतान के बारे में जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान संचालकों को आम जनमानस में कैसलेश ट्रांजेक्शन के प्रचार प्रसार का जिम्मा सौंपा गया। साथ ही विभिन्न माध्यम जैसे एटीएम, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्डध, रूपे कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, मोबाइल एप जैसे पेटीएम, एसबीआई बडी तथा अन्य बैंकों के

प्रशिक्षण शिविर

- विकास भवन सभागार में आयोजित हुआ प्रशिक्षण
- डेबिट कार्ड, मोबाइल एप के जरिए भुगतान का दिया गया निर्देश

मोबाइल एप से भुगतान की विधियों के बारे में भी बिस्तार से जानकारी दी गई। एनआईसी द्वारा दिए गए प्रशिक्षण के दौरान लोगों को यह बताया गया की इस विधि से भुगतान करना पूरी तरह से सुरक्षित है। एसबीआई के शाखा प्रबंधक अजय चौधरी ने बताया कि कैशलेस व्यवस्था भ्रष्टाचार, कालाधन को समाप्त करने का एक सशक्त माध्यम है। डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम के तहत यह व्यवस्था शुरू की जा रही है जिसके बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जानकारी देनी होगी।

जिला विज्ञान सूचना अधिकारी नसीम अहमद ने बताया कि जन सेवा केन्द्र संचालकों को इस व्यवस्था को पूरी तरह से लागू किए जाने के लिए पूरी की जानी वाली औपचारिकताओं व तकनीकी व्यवस्था के बारे में जानकारी दी।

एडीएम ने इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए स्कूलों, ग्राम पंचायतों पर आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसके बारे में जानकारी देने पर जोर दिया। इस दौरान अजय कुमार सिंह, अशीष तिवारी, त्रिभुवन नरायण, अमित कुमार श्रीवास्तव, मोहम्मद जुबेर आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला में दी कैशलेस लेन-देन की जानकारी

सिद्धार्थनगर (ब्यूरो)। विकास भवन सभागार में शनिवार को गो-कैशलेस योजना पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी व एसबीआई विकास भवन शाखा के प्रबंधक अजय चौधरी ने उपस्थित जन सेवा केंद्र के संचालकों को प्रोजेक्टर के माध्यम से ग्रामीणों को कैशलेस योजना को समझाने के लिए विस्तार से जानकारी दी।

बताया कि सरकार की ओर से प्रत्येक ग्राम पंचायतों में कॉमन डिजिटल सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। इससे आम जनता को कई सुविधाएं दी जाएगी। अजय चौधरी ने बताया कि गो-कैशलेस योजना काला धन व भ्रष्टाचार को समाप्त करने का अच्छा साधन है। डिजिटल इंडिया के तहत ग्रामीण स्तर पर भी कार्यशाला आयोजित कर लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। नोटबंदी के बाद लोगों को हो रही दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए लोगों को कैशलेस ट्रांजेक्शन के प्रचार प्रसार व कामन सर्विस सेंटर के संचालकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान अजय कुमार सिंह, आशीष तिवारी, त्रिभुवन नरायन सिंह, अमित कुमार श्रीवास्तव, मो. जुबेर सहित सभी जन सेवा केंद्रों के संचालक मौजूद रहे।

CSC
CASHLESS...
DIGITAL...
Inclusion, Awareness & Access through CSCs
USSD

CSC
SHLESS...
IGITAL...
usion, Awareness & Access through CSCs
USSD
Cards, POS
SiddharthNagar